

दैनिक अखबार वर्यून लिखूं सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यू न लिखूं सच

मुसादाबाद से प्रकाशित

RNI NO-
UPBIL/2021/83001

KNLS Live

सम्पर्क करे-9027776991

न्यूज पोर्टल बनवाये 2999 में

न्यूज पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 114 मुसादाबाद, 12 August 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मानसून सत्र में CM योगी ने अखिलेश के हर वार पर यूपी में साड़ सफारी बनवा किया पलटवार, कहा- गरीबों का दर्द वो क्या समझेंगे दीजिए, पलटवार- सपा राज में बूचड़खाने में होते थे सांड

सीएम योगी ने अपने भाषण में अखिलेश यादव के एक एक प्रहार का पलटवार किया। उन्होंने दुष्यंत कुमार की लाइनों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कुतुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं...%। बकौल सीएम, अखिलेश यादव को जमीनी हकीकत की कोई जानकारी नहीं है। क्योंकि जो लोग जन्म से चांदी के चम्मच से खाने के आदी हैं, वो गरीब के दर्द को क्या समझेंगे। उन्होंने कहा कि वो गरीब, किसान की पीड़ा को क्या समझेंगे। उत्तर प्रदेश विधान मंडल के मानसून सत्र का आज पांचवा दिनांक है। आज का दिन बेहद गहमा गहमी भरा रहा। नेता विपक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा। जिसके जवाब में सीएम योगी ने अखिलेश के हर वार पर चुन-चुनकर पलटवार किया। उन्होंने अखिलेश यादव को चांदी के चम्मच से खाना खाने का आदी बताते हुए कहा कि वह गरीब का दर्द क्या समझेंगे। उन्होंने कहा कि



अखिलेश जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है। उत्तर प्रदेश विधान मंडल के मानसून सत्र का आज पांचवा दिनांक है। आज का दिन बेहद गहमा गहमी भरा रहा। नेता विपक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा। जिसके जवाब में सीएम योगी ने अखिलेश के हर वार पर चुन-चुनकर पलटवार

किया। उन्होंने अखिलेश यादव को चांदी के चम्मच से खाना खाने का आदी बताते हुए कहा कि उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी की सरकार ने चौधरी चरण सिंह की बातों को थोड़ा भी ध्यान रखा होता तो उनके कालखंड में किसानों ने सबसे

ज्यादा आत्महत्या नहीं की होती। सीएम ने कहा कि महान साहित्यकार रामकुमार वर्मा जी की पंक्तियों को ध्यान रखकर डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है, जिसमें उन्होंने कहा था, %हे ग्राम देवता नमस्कार, सोने-चांदी से नहीं किंतु तुमने मिट्टी से किया प्यार... हे ग्राम देवता नमस्कार% शिवपाल

यादव का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने उनकी तरफ इशारा करते हुए कहा कि आपके साथ अन्याय हुआ है। आपके प्रति हमारी सहानुभूति है। उन्होंने कहा कि आपकी कीमत को %ये लोग% (समाजवादी पार्टी) समझेंगे नहीं। उन्होंने इशारों ही इशारों में शिवपाल यादव को नसीहत देते हुए कहा कि आपको अपना रास्ता चुन लेना चाहिए। देश में उत्तर प्रदेश की स्थिति पर बात करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले दिनों चक्रवात के कारण हिमाचल, उत्तराखंड और हरियाणा के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी। फसलों का नुकसान पहुंचा था, जिसकी जांच की जा रही है। इसी कड़ी में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों से काफी बेहतर है। बकौल सीएम, उत्तर प्रदेश...देश और संभवतः दुनिया का पहला ऐसा भू-भाग है जहां पर 86 से 90 फीसदी भू-भाग, कृषि योग्य भूमि सिंचित है। इस दौरान उन्होंने फसलों से संबंधित डाटा भी पेश किया।

शुक्रवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन अखिलेश यादव और योगी आदित्यनाथ के बीच खूब जवाबी हमले हुए। जानिए किन बातों पर वार और पलटवार हुए। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष और सत्ता के बीच तीखे और आक्रामक वार और पलटवार देखने को मिले। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने सरकार को बाढ़, सूखे से लेकर सड़कों पर आवारा पशुओं के मुद्दे पर घेरा तो वहीं अपने जवाबी भाषण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश के सवालों के जवाब भी दिए और उन पर तीखे हमले भी किए। आपने तो जन्माष्टमी पर बैन लगा दिया था अपने संबोधन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद को कृषा का वंशज बताया था। अपने जवाबी भाषण में योगी ने कहा कि आपने तो कावड़ियों को बैन कर दिया था। जन्माष्टमी महोत्सव को बैन कर दिया गया था। जब मैं आया तो मैंने पूछा कि जन्माष्टमी पर क्या कार्यक्रम है। तब बताया गया बैन किया गया है। तब मैंने कहा जन्माष्टमी सभी थाणों और जेल में धूमधाम से मनाया जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि मुझे आश्चर्य होता है कि कांवड़ यात्रा में पुष्पवर्षा से भी लोगों को दिक्कत हो रही है। आपने इसे भी बैन कर दिया था। हमने सबको सुरक्षा दी और इसे दोबारा प्रारंभ किया। हां ये जरूर है कि हमने संवाद किया और आज सड़कों पर नमाज नहीं होती है।

आपके घर नंदी की पूजा नहीं होती क्या? अखिलेश ने आवावा पशुओं के मुद्दे को जोर से उठाया। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आप इस पर काम क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या आपके पास बजट



की कमी है। अगर कुछ नहीं हो सकता है तो कम से कम सांड सफारी ही बना लें। ऐसा कोई जिला नहीं बचा जहां पर सांड से किसी की जान न गई होगी। संभल, मुसादाबाद, चंदौसी, मुसादाबाद, हसनपुर और कितने नाम बताऊं आपको जहां सांड के हमले से जान न गई हैं। सांड के मुद्दे पर जवाब देते हुए सीएम योगी ने आगे कहा कि हम तो नंदी के रूप में उसकी पूजा करते हैं। उन्होंने शिवपाल से पूछा, कि क्या आप नंदी के रूप में पूजा नहीं करते। योगी ने कहा कि इनकी परेशानी सांड से नहीं इलीगल स्लाटर हाउस बंद होने से हैं।

भर जाएगा। सीएम योगी ने आगे कहा कि मैं आज इस बात को आश्चस्त करने के लिए यहां आया हूं कि हम किसानों के साथ खड़े हैं। अगर किसी भी किसान को बाढ़ और सूखे से दिक्कत होती है तो सरकार उसकी सहायता के लिए हमेशा खड़ी है। यही कारण है कि आज आंदोलन नहीं होते, यही कारण है कि किसान आत्महत्या नहीं करते, यही कारण है कि आज पलायन नहीं होता।

क्या आप विदेश से यही पढ़कर आए हैं

अखिलेश पर तंज करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अभी आप लोगों के पास समय है तो कुछ सीख लेना चाहिए। शिवपाल की ओर इशारा करते हुए सीएम योगी ने कहा इन्हें कुछ सिखाइए। जब कोरोना काल था हमने चीनी मिलें चलाई।

एक ये विपक्ष है, ये वैक्सिन के ऊपर ही सवाल उठा रहे थे। हमारी दोनों वैक्सिन दुनिया में सबसे ज्यादा असरदार रहीं। हमारी वैक्सिन इतनी प्रभावी थी कि चौथी वेब आने के पहले ही रुक गई। अखिलेश पर निशाना साधते हुए सीएम योगी ने कहा कि आप ऑस्ट्रेलिया से यही पढ़कर आए हैं कि वैज्ञानिक सोच का विरोध किया जाए।

आप आय दोगुनी की बात कह रहे हैं

अखिलेश ने कहा कि आप हमें सपना दिखा रहे हैं कि हम बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं और एक तरफ बासमती राइज पर बैन लगा दिया है। ये आपका बस नारा है कि हम किसानों की आय दोगुनी करेंगे। आप ऐसा कैसे करेंगे ये बस कहने की बात है। अगर किसान अपनी जमीन दे रहा है तो आप उस पर बिजनेस करेंगे और मुनाफा कमाएंगे तो आप किसानों की मदद क्यों नहीं कर रहे हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आप सर्किल रेट को क्यों नहीं बढ़ा देते। खजाना खाली होगा तो एक बार फिर

मल्लिकार्जुन खरगे ने 'नीरव मोदी' टिप्पणी पर राज्यसभा में अधीर रंजन का किया बचाव

खरगे ने राज्यसभा में कहा, अधीर रंजन चौधरी को कमजोर आधार पर निलंबित किया गया। उन्होंने सिर्फ 'नीरव मोदी' कहा था। 'नीरव' का अर्थ है %शानदार और मौन%। 'नीरव मोदी' कहने के लिए आप (एक सदस्य को) निलंबित कर रहे हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री के लिए 'नीरव मोदी' शब्द का इस्तेमाल करने पर उनकी पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी का लोकसभा से निलंबन सही नहीं है क्योंकि 'नीरव' का मतलब 'शांत' होता है। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान चौधरी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर की गई कुछ टिप्पणियों और उनके आचरण के कारण गुरुवार को उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया था और उनके खिलाफ इस मामले को जांच के लिए विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया गया। खरगे ने राज्यसभा में कहा, अधीर रंजन चौधरी को कमजोर आधार पर निलंबित किया गया। उन्होंने सिर्फ 'नीरव मोदी' कहा था। 'नीरव' का अर्थ है %शानदार और मौन%। 'नीरव मोदी' कहने के लिए आप (एक सदस्य को) निलंबित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहस के दौरान कुछ टिप्पणियां की जाती हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई टिप्पणी असंसदीय है और इससे किसी को ठेस पहुंचती है तो उस समय



आप कह सकते हैं कि यह असंसदीय है और इसका इस्तेमाल करना सही नहीं है। खरगे तब भी बोलते रहे जब सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह दूसरे सदन का मामला है। उन्होंने कहा, मैं भारत के उपराष्ट्रपति और इस सदन के सभापति के तौर पर आपसे विनती कर रहा हूं। आपको लोकतंत्र की रक्षा करनी है। किसी को इस तरह से निलंबित नहीं किया जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि चौधरी लोक लेखा समिति, कार्य मंत्रणा समिति और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक एवं केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) की चयन समिति का हिस्सा हैं। खरगे ने कहा कि इस निलंबन से वह इन सभी संस्थानों से वंचित हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह अच्छा नहीं है। संसदीय कार्य राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने कहा, इस सदन की परंपरा रही है कि दूसरे सदन के सदस्य के आचरण पर इस

सदन में चर्चा नहीं की जाती है। विपक्ष के नेता की टिप्पणियों की जांच की जानी चाहिए और उन्हें कार्यवाही से हटाया जाना चाहिए। सदन के नेता पीयूष गोयल ने भी खरगे की टिप्पणियों को सदन की कार्यवाही से हटाए जाने की मांग की।

लोग मप्र में 'भ्रष्ट भाजपा सरकार' को हटा देंगे जैसा उन्होंने कर्नाटक में किया- कांग्रेस

कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि लोग मध्य प्रदेश में भ्रष्ट भाजपा सरकार को हटा देंगे जैसे उन्होंने कर्नाटक में किया था। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया कि मध्य प्रदेश में एक ठेकेदार समूह ने पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि

प्रशासन द्वारा 50 प्रतिशत कमीशन की मांग की जा रही है। रमेश ने हिंदी में एक ट्वीट में

कहा, कर्नाटक में भाजपा की 40 फीसदी कमीशन वाली सरकार थी। मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार उससे भी एक कदम आगे है। यहां 50 फीसदी कमीशन की बात सामने आ रही है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, जिस तरह कर्नाटक की जनता ने भ्रष्ट भाजपा सरकार को हटा दिया, उसी तरह मध्य प्रदेश की जनता भी इस भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर कर देगी। गौरतलब है कि कांग्रेस ने इस साल की शुरुआत में कर्नाटक में भाजपा शासन के तहत कथित भ्रष्टाचार को एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाकर चुनाव जीता था।

श्रीकृष्णा जन्मभूमि ट्रस्ट ने पहली बार किया ईदगाह की भूमि पर अपना दावा, कोर्ट में याचिका दाखिल

श्रीकृष्णा जन्मभूमि ट्रस्ट ने पहली बार ईदगाह की भूमि पर अपना दावा प्रस्तुत किया है। इसे लेकर मथुरा के सिविल जज सीनियर डिचिजन कोर्ट ने याचिका स्वीकारी हो गई है। ये मामला हाईकोर्ट स्थानांतरित होगा। श्रीकृष्णा जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद के विवाद में पहली बार श्रीकृष्णा जन्मभूमि ट्रस्ट ने ईदगाह की जमीन पर अपना दावा करते हुए वाद दायर किया है। शुक्रवार को ट्रस्ट की ओर से मथुरा के सिविल जज सीनियर डिचिजन कोर्ट वाद दायर हुआ, जिसे ट्रस्ट की ओर



से ट्रस्टी विनोद कुमार बिंदल और ओमप्रकाश सिंघल ने रखा। कोर्ट ने भोजनावकाश के बाद इस पर सुनवाई की और वाद स्वीकार करते हुए उसे हाईकोर्ट भेजने को कहा है, जिससे की हाईकोर्ट में इस प्रकरण में पूर्व में चल रही 17 याचिकाओं पर सुनवाई के साथ

समायोजित किया जा सके। श्रीकृष्णा जन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से ट्रस्टी विनोद कुमार बिंदल और ओमप्रकाश सिंघल ने बताया कि श्रीकृष्णा जन्मस्थान सेवा संस्थान (पूर्व में सेवा संघ) और शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी को प्रतिवादी बनाया गया है। उन्होंने बताया

कि श्रीकृष्णा जन्मस्थान सेवा संस्थान, जिसे श्रीकृष्णा जन्मभूमि ट्रस्ट की ओर से मंदिर परिसर की देखरेख, साफ-सफाई की व्यवस्था के लिए श्रीकृष्णा जन्मस्थान सेवा संघ के नाम से बनाया था। इस संघ के द्वारा गैर आधिकारिक तौर पर 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी से भूमि को लेकर समझौता किया था। इस समझौते के तहत बाई एकड़ के करीब भूमि ईदगाह कमेटी को दे दी गई। ये समझौता पूर्ण रूप से गलत है। इस समझौते की डिक्री 1973 व 1974 में न्यायालय द्वारा की गई। इसे रद

किया जाए। अब तक जन्मस्थान मामले में 17 वाद दायर हो चुके हैं, लेकिन ये पहला मामला है, जिसमें जन्मभूमि ट्रस्ट खुद ही वादी है। ट्रस्ट के गोपेश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्णा जन्मस्थान सेवा संघ ने 1968 में शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी से प्रमुख दस बिंदुओं पर बिना किसी अधिकार के समझौता किया था। 13.37 एकड़ भूमि श्रीकृष्णा जन्मभूमि ट्रस्ट के नाम पर है। दावा किया गया है कि जब भूमि सेवा संघ के नाम पर थी ही नहीं तो उसके द्वारा समझौता कैसे किया जा सकता है।

संपादकीय Editorial

Killing of india is not possible

Prime Minister Modi did not go to Manipur because he does not consider Manipur to be a part of India. They have divided Manipur into two parts. India has been murdered in Manipur...Bharat Mata has been murdered...My mother has been murdered, because the land of Manipur is my mother. This is Mother India. It is India which is being killed. Pointing towards the ruling party, Congress MP Rahul Gandhi said – they are murderers, not protectors of the country. They are traitors, not patriots and patriots. It was a very serious allegation of the Congress MP that the government was throwing kerosene (kerosene) all over the country. Then she is setting fire by giving spark. After burning Manipur, they also set Haryana on fire. They want to burn the entire country.” Congress MP Rahul Gandhi's statement in the Lok Sabha on the no-confidence motion was aggressive, passionate, unprecedented and an angry young man's style. The wording of the speech was not such that it could be spoken in the House of Parliament. Speaker Om Birla also interrupted him two-three times that the members should speak with restraint. Bharat Mata is the mother of all of us, but Rahul Gandhi's angry, sharp attitude remained intact. This was his first statement after being reinstated as an MP. He could have capitalized on this delicate opportunity. He gave a speech for about 40 minutes, in which his attitude was very aggressive for about 15 minutes. He started the statement with some memories of 'Bharat Jodo Yatra'. Kept speaking in a very modest and calm manner. Assured the House to sit comfortably today. He will not say anything that will sting you. This could have been his strategy, as he suddenly came to Manipur. During his stay, he kept telling the House about the pain, sorrow and difficulties of the two women he met. Suddenly became aggressive. At present, it is not known that how much part of Rahul Gandhi's speech has been taken out of the 'record'. Rahul gave an emotional and stirring speech in Parliament and addressed his partisan support-group and conveyed the message. Actually Rahul's speech was also symbolic. Just as he used the word-power of 'lakshana' considering India as a 'voice', in the same way he considered Manipur as a 'living being' who was killed. Union minister Smriti Irani has been Rahul Gandhi's political rival in the Amethi parliamentary constituency and was victorious in the 2019 general election. Rahul is now an MP from Wayanad in Kerala. The BJP brought up Smriti to retaliate. He also roared in an aggressive reply that India can never be divided, so the question of his assassination does not arise. Manipur is an integral part of India. We also believe that it is impossible to kill Bharat or Mother India. Rahul could have used some other words. Mother India is unbroken, ajar, immortal, undivided. However, Smriti Irani spoke about Emergency, anti-Sikh riots, gang rape and brutal killings of Kashmiri Pandit women, rape of a 14-year-old minor daughter in Rajasthan and burning her in a pit, and inhuman atrocities against women in Bengal. Tried to establish by mentioning that history is stained with blood, yet the existence of Mother India remains alive. is being played Union Home Minister Amit Shah and Union Minister Smriti Irani expressed Modi government's schemes ranging from housing, electricity, gas, water, toilets, free grains, cash money in bank accounts, Kisan Samman Rashi to Dalits, backward, tribals, farmers, women, youth. Details of various policies were also presented. These details were more or less irrelevant during the no-confidence motion. Now the result of the no-confidence motion is being watched.

Kamal Nath: Bold experiment to bold BJP on the pitch of Hindutva..!

Victory in the game of power determines the norms of morality. Therefore, Kamal Nath recently said that the country whose 82 percent population is Hindu, is itself a Hindu nation. In the hope of coming back to power in Madhya Pradesh, the state Congress President and party's CM candidate Kamal Nath is doing a unique experiment. . This experiment is to bold the BJP on the pitch of Hindutva itself. However, this move full of political risk is being opposed in the Congress itself. The thinking behind this is that this audacious bet may backfire as it does not match with the basic character of the Congress. But Kamal Nath is firm on his point, because victory in the game of power decides the norms of morality. That's why Kamal Nath recently said that the country whose 82 percent people are Hindus, is itself a Hindu nation. Not only this, he organized a grand event for the story of Baba Dharendra Shastri, who is considered as an undeclared propagandist of the BJP, and now the story of another celebrity storyteller Pt. Pradeep Mishra of Kubreshwar Dham is also going to be held in Chhindwara. Means the ideology of Congress is going to be drenched in Sanatani juice. Anyway, Kamal Nath is a devotee of Hanuman. He has installed a huge statue of Ram devotee Hanuman in Chhindwara. They are trying to prove that their faith in Hinduism is not even an iota less than that of the BJP, but it would be two to four degrees more. Kamal Nath taking a clear line on Hindutva in a relatively less religiously polarized state like MP for a party that follows a broadly centrist ideology of secularism and sarva dharma sambhaav like the Congress is creating new curiosity in political circles, because if it If the line becomes the reason for Congress to return to power and Kamal Nath himself to be made the CM again, then it is possible that tomorrow the party will fertilize this line at the national level. Congress is now trying to take a turn towards a soft nationalist character from its leftist leanings in the seventies and eighties of the last century. Its first successful use was seen in the recent Karnataka assembly elections, where the party pulled Bajrangbali from BJP's Ramsetu in its court and got the sanjeevani booti of the election victory. On the other hand, in self-defence, the BJP along with Jai Bajrangbali Ghosh threw many invited rocks into the electoral ocean, but most of them could not swim. It seems that Kamal Nath has now resolved to make the same floating Ramshilas flow in Narmada. Anyway, the Congress is feeling that till the time the majority Hindu vote does not return to it, the door of Delhi will not open for the Congress. This is the reason why recently when a journalist asked Kamal Nath about the advocacy of Hindu nation by Pt. Dharendra Shastri, the star Baba of Bageshwar Dham in Chhindwara, in his discourses, Kamal Nath's reaction was that 82 percent of the people of the country are Hindus, so this is no There is nothing to say, this is a Hindu nation anyway. Explaining the statement of Dharendra Shastri, Kamal Nath said that Baba did not talk about the Hindu nation, he talked about the whole country. Which is the political direction of Kamal Nath? This country belongs to all religions. What is the point of creating a Hindu nation, 82 percent of the people are Hindus. Many people in Congress itself do not agree with this explanation of Kamal Nath. The national spokesperson of the party, Acharya Pramod Krishnan raised questions on the holding of Pt. Dharendra Shastri's story in Chhindwara. He used to say that Dharendra Shastri is the blessing of the political party, everyone knows. Secondly, this line of Kamal Nath does not match with the ideology of another veteran leader of the party, Digvijay Singh. Personally being a devout Hindu, Digvijay is a staunch supporter of secularism at the political level. Kamal Nath's line is also doubted by minority leaders of Congress and AIMIM leader Asaduddin Owaisi openly criticized it. He said that the line on which Kamal Nath is walking is that of the RSS. The BJP has already declared those Hindus who talk about Hinduism as 'wishful Hindus'. However, what Kamal Nath said is factually correct, because 82 percent of the population of this country is Hindu. In this sense it is a country of majority Hindus. But whether it is also a 'Hindu nation' is disputed and even the BJP, which claims to be the well-wisher of Hindus, has never officially declared it. Many people believe that 'Hindutva' and 'Hindu nation' is a political concept, which is based on majoritarianism. That is, the country will run in the same direction and thinking, as the majority section of the society also wants, which it thinks is right. The opinion and aspirations of people of other religions will be secondary. However, our constitution does not allow this. He only talks about secularism and equality of all religions. But the Constitution and its values are also at stake when the deciding dice are thrown at the electoral backgammon. Kamal Nath probably believes that if the BJP has to be defeated, it will have to be bowled on its own pitch. In this sense, Kamal Nath's Hindutva bet is troubling BJP, because BJP considers Hindutva its patent, how can anyone else snatch it. But the bigger question is, will the voter really accept Kamal Nath and the Congress as bigger and more authentic Hindus than the BJP? If suppose If so what will be the difference between BJP and Congress? There will be some difference between opening a shop of love in the market of hatred and playing the game of hatred in the market of love. Should Kamal Nath not become a challenge for the BJP? If Kamal Nath's experiment is successful, then BJP and RSS will have to reconsider their strategy, otherwise there is a high risk of Kamal Nath himself and his party Congress being hit wicket in the assembly elections. There is also the fear that in order to prove itself as a better Hindu, the Congress may lose the minority vote and the traditional vote of the Hindus. It is also possible that the voters who are mentally prepared to accept Congress as an alternative to BJP may swing towards other options like Aam Aadmi Party. This can disturb the equation of election results. At least not in favor of Congress. Now the question is, why is Kamal Nath taking such a risky bet? Is his aim to ensure a decisive capture of power by the Congress or to secure his seat as MLA in Chhindwara and that of his son Nakul Nath as MP? Does he believe that the political greatness of the narrative discourse in Chhindwara will be given to the Congress in the entire state and the Congress will automatically be stripped of its tag of being 'non-Hindu'? As far as Chhindwara is concerned, only the local voters of this district will vote on both these seats in the elections. Discourses on the protection of Sanatan Dharma and the glorification of the Hindu nation are also being held among those people. Kamal Nath won the MLA election for the first time while being the CM by 25 thousand votes and his son Nakul Nath won the Lok Sabha election by more than 37 thousand votes. Baba's story discourses can increase the margin of victory this time. But what will be its impact in the entire state and the country, only the election results will tell. If Kamal Nath can regain power in Madhya Pradesh with his Ramnami experiments, then the BJP will have to decide its strategy afresh in the Lok Sabha. Many Congressmen believe that the Congress can get power only by capitalizing on the displeasure towards the Shivraj government in votes and by raising the problems of the common man, not by listening to lectures. By the way, if this experiment of Kamal Nath is politically successful, then be sure that in all the coming elections, most of the parties will be dominated by babas and story tellers. All the leaders will be seen praying at his feet. The leftist parties, which reject religion and spirituality outright, will be further marginalized and the country's politics will enter a new era of Babaism one step ahead of the participation of saints. It should not be a surprise if tomorrow a storyteller is found wearing the Rudraksh rosary of the Prime Minister's post. Because this is the possible answer to the political application that Kamal Nath has filed in the 'Divine Court' of elections.

Ground schemes of Baghel government

In 2018, Bhupesh Baghel became the Chief Minister of Chhattisgarh. Even at that time T.S. Veteran leaders like Singhdev, Tamradhwaj Sahu, Charandas Mahant were in the race for the post of Chief Minister. In 2018, Bhupesh Baghel became the Chief Minister of Chhattisgarh. Even at that time T.S. Veteran leaders like Singhdev, Tamradhwaj Sahu, Charandas Mahant were in the race for the post of Chief Minister. But Bhupesh Baghel prevailed over everyone. Bhupesh Baghel contested for the first time in 1993 from Patan assembly of Durg. After defeating BJP's Nirupama Chandrakar in 1998, he was made a cabinet minister in the Digvijay Singh government of Madhya Pradesh. In 2003, after the Congress was voted out of power after Chhattisgarh became a separate state, Bhupesh Baghel assumed the responsibility of the Deputy Leader of the Opposition in the Assembly. It is not that Bhupesh Baghel has always tasted victory. He had to face defeat in the 2004 and 2009 Lok Sabha elections. There is a famous saying of cricket, 'Catches win matches' means the catch is dropped and the match is lost. Neither in sports nor in politics there is no room for error. Bhupesh Baghel caught such a catch after becoming the Chief Minister that he went on winning every game. Under his leadership in Chhattisgarh, the state not only made its cultural identity but also made great progress economically. Chhattisgarh is called Sashya Shyamala Dharti. The state is rich in mineral wealth. Everyone's benefit should be given to the people here. People must get education, health, employment. Introducing himself as a grassroots politician, Bhupesh Baghel focused on all these things and launched many schemes for the welfare of the people of the state. Made continuous efforts for the rights of the people and their empowerment. On one hand, people are earning money by selling cow dung, and on the other hand, the collection of small produce has increased. This increased the income of the people. Due to the Rajiv Gandhi Nyaya Yojana started by the Baghel government, the trend of people towards animal husbandry increased, the production of milk and paddy increased and this brought a lot of change in the lives of the people. The identity of Chhattisgarh had once become red terror. The Baghel government brought winds of development in the naxal-affected areas of the state and work was done in these areas from economy to employment, which changed the identity of the red terror of the state. Although the opposition BJP criticizes the state government, but it is also a fact that many schemes of the state have received national awards. The state has a large population of tribals. The state government made continuous efforts to improve the standard of living of the tribals, to keep their cultural identity intact. On World Tribal Day, Chief Minister Bhupesh Baghel gifted development works worth 1000 crores to Bastar and Surguja divisions. Along with this, the Chief Minister has released the second installment of Adivasi Parv Samman Nidhi Yojana to 5633 panchayats. Under the Adivasi Parva Samman Yojana, Forest Rights Letter, Forest Resource Rights Letter and Community Forest Rights Letter have been distributed. Tribal youth, farmers and laborers are looking satisfied due to these schemes. Due to the policies of the government, women are becoming self-reliant. Loans worth Rs 13,000 crore have been waived off for women of self-help groups. Concrete steps have been taken for the self-respect of women. The purchase of paddy set a record. After the formation of the state of Chhattisgarh, till now the maximum paddy procurement was done in Kharif season. The old record of paddy purchase on support price was also broken in the state. The Chhattisgarh government has increased the purchase price of paddy from Rs 1940 per quintal last year to Rs 2040 for the year 2023-24. Apart from this, the price of paddy A grade has been increased to Rs 2060. Due to this, farmers are getting fair price for their crops. Farmers are selling paddy sitting at home by taking tokens. at during his rule, due to the farmer-friendly policies of the Chhattisgarh government, there has been a pleasant change in agriculture and the lives of farmers.

तीनों ओर से घेर कर मारी गोलियां, मौत सुनिश्चित होने संबंधित विभाग लक्ष्य के सापेक्ष पर ही भागे हमलावर...हत्या का Video आया सामने वृक्षारोपण सुनिश्चित करें-डीएम

ब्लाक प्रमुख चुनाव की रंजिश में गई भाजपा नेता की जान

मुरादाबाद- भाजपा नेता अनुज चौधरी की हत्या हमलावरों ने तीनों ओर से घेर कर की। हमलावर तब तक भाजपा नेता पर गोलियां बरसाते रहे जब तक कि उनकी मौत नहीं हो गई। मौत की पुष्टि होने के बाद ही हमलावर वहां से वाइक पर सवार हो गए भाग गए। भाजपा नेता पर हमले की सीसीटीवी फुटेज पुलिस को मिली है। हमलावर सोसाइटी की सड़क पर टहल रहे भाजपा नेता पर बगल में आते ही गोलियों की बौछार कर देते हैं और तीनों ओर से घेर कर तब तक गोलियां बरसाते रहते हैं जब तक कि उनकी मौत नहीं हो जाती। बाद में हमलावर बेखौफ होकर सोसाइटी के दूसरे गेट से फरार हो जाते हैं। यहां मौजूद सुरक्षाकर्मी जब तक कुछ समझ पाता तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। अनुज चौधरी का साथी पुनीत चौधरी हमलावरों से बचने को वहां खड़ी एक कार की आड़ ले लेते हैं। लेकिन हमले में वह भी घायल हुए हैं। चार के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट- मृतक के ममेरे भाई संदीप सिंह ने अनुज की हत्या में चार के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कराया है। इसमें संभल जिले के थाना एंचोड़ा कंबोह के भवालपुर गांव का अमित कुमार, पुष्पेंद्र, अनिकेत पुत्र प्रभाकर और मझोला थाना क्षेत्र मुरादाबाद के कई अज्ञात भी शामिल हैं।



मौके पर पहुंचकर घटनास्थल को बैरिकेड किया था। देर रात तक कोई भी मुहल्ले वाला

सोसाइटी के बाहर टहलते नहीं दिखा। बताया जा रहा है कि जब

हमलावर अनुज चौधरी को मारकर बाइक से निकल रहे

तीन बहनों में इकलौता भाई था अनुज, दहाड़ मार रोया परिवार



मुरादाबाद- नया मुरादाबाद में स्थित पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में प्राणपटी डीलर एवं भाजपा नेता अनुज चौधरी की हत्या के बाद उसका परिवार अस्पताल पहुंचा था। शव के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने तक परिवार के सभी सदस्य आ चुके थे। यहां पोस्टमार्टम हाउस पर तीनों बहनों और उसके मां-बाप दहाड़ मारकर रो रहे थे। रोते-रोते बहनों का गला बैठ चुका था। वह बार-बार बेसुध हो जा रही थीं। मां तो जमीन पर रोते-रोते गिर गईं। कुछ ऐसा ही हाल पिता प्रीतम सिंह का भी था। रिश्तेदार व मित्र इन लोगों को ईश्वर की मर्जी कह समझाने का प्रयास कर रहे थे। अनुज चौधरी अपनी तीन बहनों में तीसरे नंबर

के थे। ममेरे भाई संदीप सिंह ने बताया कि अमित संभल में असमोली ब्लाक प्रमुख प्रभाकर चौधरी का निजी सहयोगी है। उसने प्रभाकर चौधरी के बेटे अनिकेत को भी केस में नामजद किया है। अमरोहा जिले के डिडौली के सलामतपुर निवासी संदीप ने बताया कि नामजद अमित सिंह अनुज को लगातार धमकी दे रहा था। बताया जा रहा है कि नामजद अभियुक्त अमित सिंह के भाई मोहित पर भी कुछ समय पूर्व हमला हुआ था। वर्तमान में अमित का छोटा भाई मोहित बरेली जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। संदीप ने बताया कि अनुज प्राणपटी का भी काम करता था। वह नया मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर पार्श्वनाथ प्रतिभा

सोसाइटी में टॉवर-7 में प्रथम फ्लोर को खरीदा था, उसी में रह रहा था। टॉवर के आठवें फ्लोर पर उसके बहन-बहनोई भी रह रहे हैं। गुरुवार को बहन संभल मायके गई थी। पिता प्रीतम सिंह गांव में ही रहकर खेती-किसानी करते हैं। बताया जा रहा है कि असमोली ब्लाक प्रमुख का चुनाव हारने के बाद भी भाजपा नेता अनुज चौधरी शांत नहीं थे। कुछ समय पहले वह ब्लाक प्रमुख प्रभाकर चौधरी के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव भी लाए थे। इसके बाद अब प्रमुख की तैयारी कर रहे थे। इसी क्रम में उनके लिए खतरा बढ़ा था और आए दिन उन्हें धमकियां मिलने की बात परिवार वाले कह रहे हैं।

दहशत
गोलियों की आवाज सुन लोग घर से बाहर निकले। लेकिन,

भय के कारण वह घटनास्थल पर नहीं आए थे। खून देखकर हर कोई दहशत में नजर आ रहा था।

पुलिस के पहुंचने पर भी मुहल्ले वाले सामने आने में कतरा रहे थे। पुलिस की अन्य जांच टीमों

साथ में नहीं थे सुरक्षाकर्मी

परिजनों के मुताबिक, मृतक अनुज चौधरी 2021 में संभल जिले के असमोली ब्लाक प्रमुख के लिए भी चुनाव लड़ा था लेकिन, प्रभाकर चौधरी से हार गया था। इसी के बाद से प्रभाकर के एक सहयोगी से उसका विवाद भी हुआ था। इसी चक्र में उसकी मांग पर उसे दो सरकारी गनर मिले थे। अनुज को ब्लाक प्रमुख प्रभाकर चौधरी के निकट सहयोगी से लगातार धमकियां भी मिल रही थीं। वर्तमान में अनुज के साथ सुरक्षा में एक सरकारी गनर सत्येंद्र शर्मा था। घटना के दौरान गनर सत्येंद्र शर्मा अनुज चौधरी के फ्लैट में था। अनुज कई अपने निजी गनर भी रखे हुए थे लेकिन, घटना के वक्त कोई गनर उसके साथ नहीं था।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए निकाली रैली

क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद - तिरंगा रैली निकालते मंडल के प्रवर अधीक्षक डाक विभाग वीर सिंह व अन्य पोस्टमास्टर आदि मेरी माटी मेरा देश, घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने और आमजन की जागरूकता के लिए प्रधान डाकघर मुरादाबाद से जेल रोड, पीलीकोठी चौराहा, जिला अस्पताल और कचहरी होते हुए जागरूकता रैली निकाली गई। जिसका समापन प्रधान डाकघर में किया



गया। रैली में प्रवर अधीक्षक डाकघर मुरादाबाद मंडल वीर सिंह, सीनियर पोस्टमास्टर प्रधान डाकघर कृष्ण चंद्र, डिप्टी

पोस्टमास्टर अरुण मोहन संखरार, मंडलीय कार्यालय के स्टेनो शिव अवतार सक्सेना, कार्यालय सहायक उपेंद्र, वरुण

कुमार, मनु विश्नोई, रणधीर सिंह, जितेन्द्र कुमार और प्रधान डाकघर के समस्त पोस्टमैन एवं डाक सहायक शामिल रहे।

थे तो दूसरे नंबर गेट पर गाई सुभाष शर्मा ड्यूटी पर थे लेकिन, जब तक वह कुछ समझ पाते कि हमलावर भाग निकले थे। मृतक के ममेरे भाई संदीप सिंह ने बताया कि पुनीत चौधरी अनुज का दोस्त है। वह संभल जिले के ही भड़वाड़ा थाना नखासा का रहने वाला है।

सोसाइटी के कई कैमरे मिले खराब

अपार्टमेंट में सीसी कैमरे लगे हैं। घटना के बाद पुलिस अपार्टमेंट के गेट और उसके आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है। कैमरे चेक करने के समय देखा गया कि कई कैमरे खराब हैं। एसएसपी हेमराज मीणा ने बताया कि मृतक अनुज चौधरी को उनके सिर में और एक कंधे में गोली लगी है। मृतक को संभल जिले से सरकारी दो गनर मिले थे लेकिन, अप्रैल से उसके पास एक ही गनर था। घटना के समय वह गनर से बिना बताए नीचे उतर गया था। वैसे तीन-चार महीने पहले अनुज की गाड़ी से एक हादसा भी हुआ था। पुलिस हर बिंदु पर नजर रखकर काम कर रही है।

भाकियू नेता भी मौके पर पहुंचे

घटना के बाद कटघर, मझोला व पाकबड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जानकारी पाकर किसान यूनियन के डॉ. नव सिंह, शुभम राठी समेत कई किसान नेता भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों को बांडस बंधाया। थाना मझोला क्षेत्र में गुरुवार शाम पांच-साढ़े पांच बजे के बीच बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने अनुज चौधरी नाम के व्यक्ति को गोली मारी है। घटना के दौरान अनुज पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में टहल रहे थे। जानकारी मिली है कि 315 और 132 बोर की पिस्टल से गोली मारी गई है। घायल की अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हुई है। परिजनों से तहरीर और जानकारी भी मिली है। इसमें अमित चौधरी और अनिकेत के विरुद्ध नामजद और कुछ अज्ञात में केस दर्ज किया गया है। घटना के खुलासे के लिए एसओजी और पाकबड़ा व मझोला थानाध्यक्ष एवं सीओ हाईवे व सीओ सिविल लाइंस के नेतृत्व में कुल पांच टीमों गठित की गई हैं। हेमराज मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक



क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद - कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा संरक्षण समिति के संबंध में बैठक आहूत की गयी, जिसमें विशेष वृक्षारोपण अभियान के दौरान किए गये वृक्षारोपण में जनपद की प्रगति 64 प्रतिशत होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को वृक्षारोपण जियो टैगिंग का लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जियो टैगिंग में पीछे रहे राजस्व, पंचायतीराज, सहकारिता, विद्युत, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, रेलवे, उद्यान, गृह आदि विभागों

की प्रगति खराब होने पर प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि सभी विभाग वृक्षारोपण के जियो टैगिंग लक्ष्य को गंभीरतापूर्वक पूर्ण कराए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण पौधों का निरन्तर ध्यान रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निगम व विभिन्न नगर पालिकाएं साथ मिलकर कार्य करें तथा अपने कर्तव्यों का अच्छे से निर्वहन करें। जिलाधिकारी को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने अवगत कराया कि वायोमैडिकल वेस्ट के संबंध में निरन्तर कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग-ई-वेस्ट की समस्या को गम्भीरता से लेकर कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर

पालिका तथा नगर पंचायतें अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई तथा नाला-नाली की सफाई पर विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस में सामन्जस्य बनाकर कार्य करें और साइट वेस्ट मैनेजमेंट को कैसे बेहतर बनाया जाये इस पर निरन्तर विचार एवं कार्यवाही की जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, डीएफओ सूरज, सिंचाई, कृषि, पशुपालन, सहकारिता, उद्योग, विद्युत, अधिशासी अधिकारी, स्वास्थ्य, जिला गंगा समीति के सदस्य, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, विद्युत, सहित नगर निगम, परिवहन, प्रदूषण नियंत्रण विभाग, विभिन्न एनजीओ आदि उपस्थित रहे।

कमिश्नर की अध्यक्षता में मण्डलीय प्रशिक्षण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक आहूत



क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद - मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय प्रशिक्षण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक

आहूत की गयी, जिसमें डीपीआरसी अमरोहा एवं संभल पर भविष्य के प्रशिक्षण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी। आयुक्त ने उक्त जनपदों के जिला पंचायत राज अधिकारियों से कहा कि अपने जनपदों के ग्रामों के सभी आंकड़े एकत्रित करें। जैसे कि ग्राम में कितने परिवार हैं, कितनी जमीन है, पशुओं की संख्या, कौन-कौन सी फसलें उगाई जाती हैं, आय के क्या-क्या

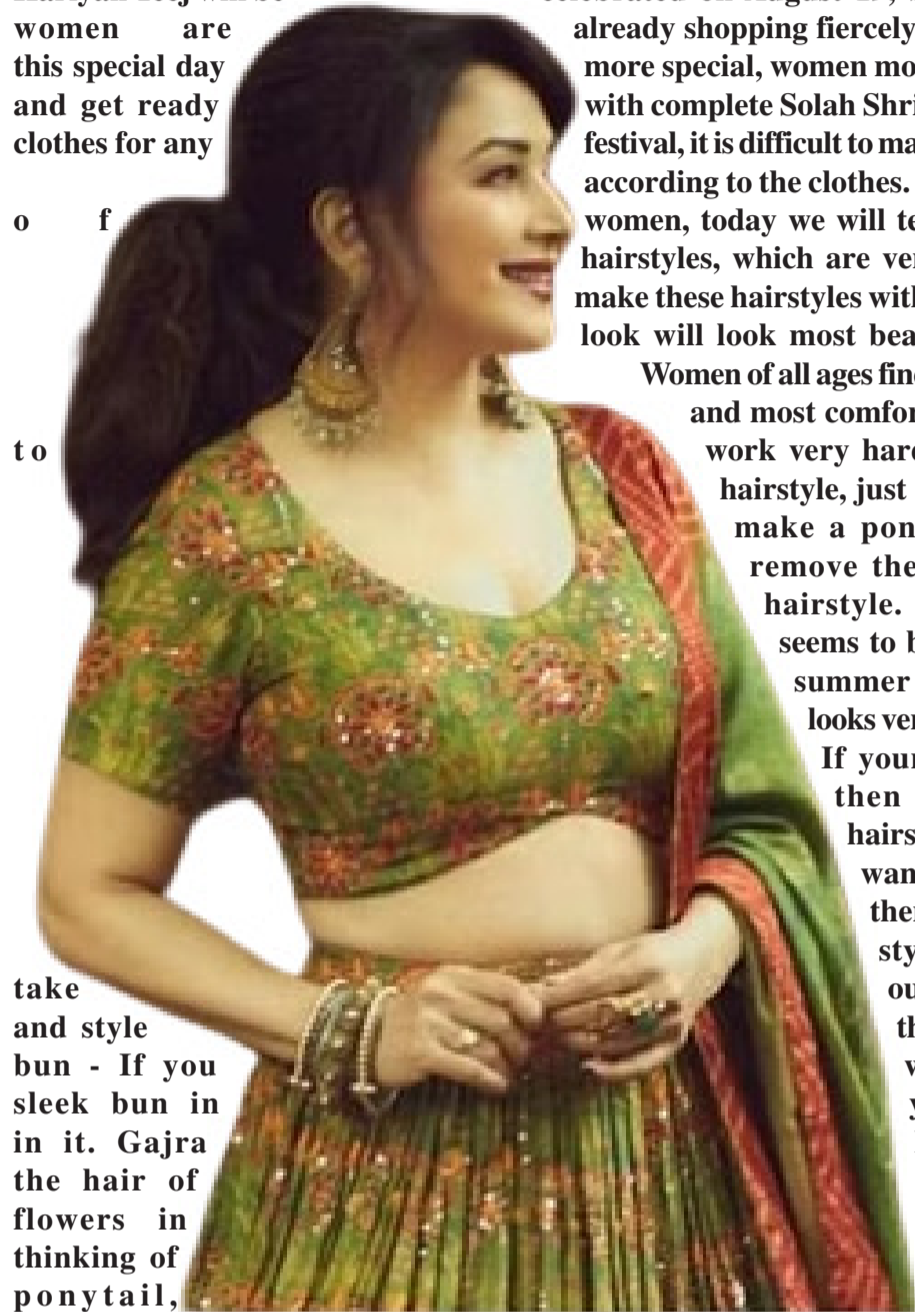
स्रोत हैं, कितनी जनसंख्या है, कितने लोग सरकारी सेवा में हैं, उस ग्राम का कल्चर एवं परम्पराएं क्या हैं आदि को भी शामिल किया जाये। उन्होंने कहा कि सभी आंकड़े प्रमाणित हों इसका विशेष ध्यान रखा जाये। बैठक में डिप्टी कमिश्नर गजेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, उप निदेशक पंचायत, जिला पंचायतीराज अधिकारीगण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तरांचल, पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से रिपोर्ट, विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेंस का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, उत्तरांचल, पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

Style your hair this **Hariyali Teej**, husband's eyes will not go away from you

The festival of Hariyali Teej is very important for every married woman. On this day, women worship Mahadev and Mata Gauri by dressing up a lot. All married women pray to Bholenath and Maa Gauri on this special day for the long life of their husbands. This year, the festival of Hariyali Teej will be celebrated on August 19, but for its preparation, women are already shopping fiercely in the market. To make this special day more special, women mostly buy sarees and suits with complete Solah Shringar. It is easy to choose and get ready clothes for any festival, it is difficult to make makeup and hair style according to the clothes. Looking at this problem women, today we will tell you about some such hairstyles, which are very easy to make. If you make these hairstyles with saree or suit, then your look will look most beautiful. Messy Ponytail- Women of all ages find this hairstyle the easiest and most comfortable. You will not need to work very hard for this. To make the hairstyle, just curl the hair lightly and make a ponytail. Don't forget to remove the front strands in this hairstyle. Sleek Bun- Sleek bun seems to be the best option in the summer season. This hairstyle looks very cute in sarees and suits.



If your forehead is less wide then you can make this hairstyle. Wavy Hair- If you want to keep your hair open then curl the hair in wave style like this. After this, out the demand of the side the hair. Apply gajra in the want, you can make a your hair and apply gajra looks very beautiful in married women. Put ponytail- If you are making a simple then you can add beauty to your beauty by putting just one flower in it. Apply only white or red color flower in the hair. Half clutch - This hairstyle is liked by almost every other woman because it is very easy to make. For this, you just have to take out the middle parting and then take the half hair from both the sides and put the clutch behind.

If you want to remove the accumulated dirt on the body, then try these 5 types of homemade body scrubs.

Homemade Body Scrub Often people try many ways to enhance the beauty of the face but forget to pay attention to other parts of the body. Due to which dirt accumulates on the skin. In this case, you can use body scrub to clean the skin. You can make it easily at home. Sugar acts as a natural scrubber. A scrub made of rice flour can prove to be effective for improving skin tone. Coffee is effective in removing dead skin from the body. Skin related problems are common these days due to changing lifestyle and wrong eating habits. In such a situation, people try many ways to get relief from skin related problems. People use many types of face packs or scrubs to bring glow on the face. To keep the skin healthy, it is advised to follow a skin care routine. Along with keeping the face clean, you also need to polish the body. Due to which the shine of the body remains intact, as well as the skin remains healthy and dead cells are also removed. You do not need to spend much money for this. You can make a body scrub from some things available at home, which will also remove the dirt accumulated on the body. Sugar- Sugar is a very good body scrubber. Scrubbing the body with this gets rid of dead cells and makes the skin glow. To make sugar scrub, take 2-3 spoons of coconut oil or almond oil along with sugar and massage it on the body. Coffee- Coffee is effective in removing dead skin from the body. Also, the caffeine present in it keeps the skin tight and brightens the skin. To make coffee scrub, prepare a paste by mixing olive oil in coffee and scrub it on the body. Oatmeal- Oatmeal scrub is the most effective scrub for sensitive skin. To make this, first take oats, now mix curd in it and scrub on the body. Masoor dal- Masoor dal scrub keeps your skin soft. To make a scrub from it, grind the lentils in the mixer. Mix honey and olive oil in it. Rice flour- If you want to improve the skin tone, then you can use a scrub made of rice flour. To make a rice flour scrubber, first take rice flour, add curd or water to it and make a paste and scrub the body.



follow a skin care routine. Along with keeping the face clean, you also need to polish the body. Due to which the shine of the body remains intact, as well as the skin remains healthy and dead cells are also removed. You do not need to spend much money for this. You can make a body scrub from some things available at home, which will also remove the dirt accumulated on the body. Sugar- Sugar is a very good body scrubber. Scrubbing the body with this gets rid of dead cells and makes the skin glow. To make sugar scrub, take 2-3 spoons of coconut oil or almond oil along with sugar and massage it on the body. Coffee- Coffee is effective in removing dead skin from the body. Also, the caffeine present in it keeps the skin tight and brightens the skin. To make coffee scrub, prepare a paste by mixing olive oil in coffee and scrub it on the body. Oatmeal- Oatmeal scrub is the most effective scrub for sensitive skin. To make this, first take oats, now mix curd in it and scrub on the body. Masoor dal- Masoor dal scrub keeps your skin soft. To make a scrub from it, grind the lentils in the mixer. Mix honey and olive oil in it. Rice flour- If you want to improve the skin tone, then you can use a scrub made of rice flour. To make a rice flour scrubber, first take rice flour, add curd or water to it and make a paste and scrub the body.

Itching in the private part increases in monsoon, the problem of bad smell, so remove it like this

Hygiene Tips for Monsoon Just as a little more attention needs to be paid to the cleanliness of the body in the monsoon, in order to avoid infections and diseases, in the same way extra care has to be taken of the private part, otherwise it will increase the problem of bad smell and itching. Can Let us know about the remedies to remove vaginal itching and odor in monsoon. With the arrival of monsoon, the risk of many diseases also increases. The humidity in the atmosphere increases. Sticky heat and sweating are very bothersome. The sudden increase in humidity during this season can lead to various fungal infections, especially around the private area. UTI (Urinary Tract Infections) can be a problem due to excessive sweating and lack of cleanliness. Because of this, it becomes very important to take care of the hygiene of the body as well as the private parts in this season. In these ways, you can take care of the private part. Do not wear tight clothes - Do not wear very tight clothes in this season. Due to tight clothes, the problem of sweating is more and in such a situation, when the air does not reach inside the clothes, then that area remains wet, due to which the problem of irritation and rashes can occur. Wear comfortable and loose clothing as much as possible. Keep the private area dry- Many times the clothes do not dry in the rain, in such a situation many times they wear only wet clothes. When the area around the private part is wet, there can be irritation, itching as well as bad smell. So wear completely dry innerwear. Innerwear made of breathable fabric will provide a lot of relief. Change your undergarments two to three times daily during the rainy season. Maintain cleanliness and hygiene- Keeping the private area clean not only removes the problem of bad smell, but also reduces the chances of bacterial infection. For this, clean your private parts thoroughly at least twice a day. Use chemical free wash products to keep the private parts and the area around it clean.



various fungal infections, especially around the private area. UTI (Urinary Tract Infections) can be a problem due to excessive sweating and lack of cleanliness. Because of this, it becomes very important to take care of the hygiene of the body as well as the private parts in this season. In these ways, you can take care of the private part. Do not wear tight clothes - Do not wear very tight clothes in this season. Due to tight clothes, the problem of sweating is more and in such a situation, when the air does not reach inside the clothes, then that area remains wet, due to which the problem of irritation and rashes can occur. Wear comfortable and loose clothing as much as possible. Keep the private area dry- Many times the clothes do not dry in the rain, in such a situation many times they wear only wet clothes. When the area around the private part is wet, there can be irritation, itching as well as bad smell. So wear completely dry innerwear. Innerwear made of breathable fabric will provide a lot of relief. Change your undergarments two to three times daily during the rainy season. Maintain cleanliness and hygiene- Keeping the private area clean not only removes the problem of bad smell, but also reduces the chances of bacterial infection. For this, clean your private parts thoroughly at least twice a day. Use chemical free wash products to keep the private parts and the area around it clean.

If you want that there is no sourness in the relationship, then keep these things in mind after the engagement.

For everyone, marriage is the most important moment of his life, for which everyone waits with great impatience. To strengthen the relationship, engagement is done before marriage, after which the couple starts talking to each other. If there is a love marriage, then in this both the boy and the girl know all the things related to each other, but the scene of arranged marriage is different. After the process of conversation starts in arranged marriage, the couples start getting to know each other very well. This directly affects the future relationship. In such a situation, whether it is a boy or a girl, he must keep some things in mind while talking to his partner. Actually, many times your words or actions can spoil your relationship. Because of this, today we will tell you some such things, which you have to take special care of during the time between engagement and marriage. Do not talk too much- Even if there is a lot of time between your engagement and marriage, do not talk too much with your partner. If you keep talking to them all day, then it can affect your relationship or your partner may start feeling that you are free all the time. Respect each other- While talking to your partner, take care of his respect. Do not use foul language at all. Mutual respect is very important in a marriage relationship. Do not show pride- Do not show pride on your partner even by mistake. Even if you do not like something about your partner, explain it lovingly. By showing pride, you will spoil your own image. Do not do evil to the family- Everyone wants that their partner respects their family. In such a situation, respect your partner as well as their family. Never speak ill of your partner and their family. Do not say such a thing about the family, which the person in front would feel bad to hear. Such things directly hurt the heart, which can have an effect on your relationship.



time between engagement and marriage. Do not talk too much- Even if there is a lot of time between your engagement and marriage, do not talk too much with your partner. If you keep talking to them all day, then it can affect your relationship or your partner may start feeling that you are free all the time. Respect each other- While talking to your partner, take care of his respect. Do not use foul language at all. Mutual respect is very important in a marriage relationship. Do not show pride- Do not show pride on your partner even by mistake. Even if you do not like something about your partner, explain it lovingly. By showing pride, you will spoil your own image. Do not do evil to the family- Everyone wants that their partner respects their family. In such a situation, respect your partner as well as their family. Never speak ill of your partner and their family. Do not say such a thing about the family, which the person in front would feel bad to hear. Such things directly hurt the heart, which can have an effect on your relationship.

The character of Mirzapur's Golu was not easy for Shweta, the actress said this about the role

Popular web series Mirzapur's 'Golu Gupta' i.e. actress Shweta Tripathi is making a lot of headlines these days for her recently released web series 'Kalkoot'. In this series, he has played the character of Acid Attack Survivor, due to this role he is getting a lot of appreciation. During this, the actress told in an interview given to a news agency how she got the role of an acid attack survivor in 'Kalkoot'. She said, "I have known Sumit for more than 10 years. We did a short film together. Sumit sent me the script and then asked which part would you do. I said Parul and while reading I did not think that I can play Parul and then I felt that if I am getting a chance to play an acid attack survivor, then why not."

Golu Gupta of popular web series Mirzapur ' Means actress Shweta Tripathi is making a lot of headlines these days for her recently released web series 'Kalkoot'. In this series, he has played the character of Acid Survivor, due to this role he is getting a appreciation. During this, the actress interview given to a news agency the role of an acid attack 'Kalkoot'. She said, "I have more than 10 years. We together. Sumit sent me asked which part said Parul and while think that I can then I thought if chance to play survivor

her point, further survivor of things a n what feeling i f d r y

Shweta She added, "As a an acid attack, I discovered and that we often take for illusion of beauty, exactly our hair looks like. Even if a embarrassed about their we're not bothered by something like power to anything. It's normal to have skin." Whereas, when asked about the most so far, the actress said, "Mirzapur has three seasons, I have done more than any other show till date. Haven't done three seasons. It's quite different. So, if we look at it this way, playing the character of Golu was the most challenging for me. Talking about his upcoming web series and films, he said, "I like characters like Who behaves strong in difficult situations. Golu Gupta is completely different from Parul. The post-production of Mirzapur 3 is underway. At the end of the year, we will start shooting for 'Yeh Kali Kali Aankhen'. Talking on the workfront So Shweta Tripathi is a part of OTT world's popular web series Mirzapur 3 and it is part of second season of Kaali Kaali Aankhen. Apart from this, the actress was seen in Vijay Varma's recent release web series 'Kaalkoot'.



Maitreyi Ramakrishnan On Khushi Kapoor Pics Khushi Kapoor is going to debut very soon in the acting world through The Archies film. Khushi, who is very active on social media, has recently shared the latest pictures. Never Have I Ever star Maitreyi Ramakrishnan stole the show by commenting on these photos. Late actress Sridevi's younger daughter Khushi Kapoor is all set to make her Bollywood debut with Zoya Akhtar's The Archies. Recently she has shared a beautiful and gorgeous picture on her Instagram handle. In which Khushi is looking very beautiful in saree. 'Never Have I Ever' star Maitreyi Ramakrishnan's comment on this picture of Khushi caught everyone's attention. Maitreyi has happily made a special demand in this comment. Maitreyi Ramakrishnan commented on Khushi Kapoor's photo - Janhvi Kapoor's younger sister Khushi Kapoor remains very active on social media platforms and connects with fans through her posts. Lives Khushi shared several pictures on social media and sharing her reaction in the comment section Maitreyi wrote, "Your hand for marriage" Khushi replied to the comment by writing, "When you are ready hahaha." Anjini Dhawan and Others including Vedang Raina also appreciated the pictures. Apart from this, Khushi to play Betty Cooper in 'The Archies' The actress is all set to play the role of Betty Cooper in The Archies. Zoya recently introduced all the characters and wrote about Khushi, "She may be the girl next door, but she's not one to be taken lightly. Meet Betty Cooper on 'The Archies', coming soon." Coming only to Netflix." The film also features Agastya Nanda, Suhana Khan and Milhir Ahuja. The Archies will release on Netflix. Koel Puri, who is also a part of the film recently spoke about working with Khushi, Suhana and others. In an interview given to the media, he said, "Suhana will help me launch my book in Mumbai. She has become a good friend to Agastya, Khushi and Vedang as well. It was really fun working with him. They are good kids, I feel like an auntie saying so! I've never been an auntie, but these kids are very focused. He is very focused and knows that he will have to work hard. Especially on these kids, there is pressure of coming from film families.



Girlfriend Saba shared a romantic photo with Hrithik, ex-wife Sussanne reacted like this

Saba Azad-Hrithik Roshan Photo Hrithik Roshan's love life has moved ahead with Saba Azad after his divorce from first wife Sussanne Khan. For a long time these two actors are dating each other. Recently, Saba has shared a romantic picture with Hrithik on social media, on which the fighter actor's ex-wife Suzanne has commented. Hrithik Roshan and Sussanne Khan had a dream wedding after the After some time, both of them also and Ridhaan, but due to mutual 2014. Although both of them have with each other. Let me tell you, Arslan Goni, Hrithik is dating shared a photo with Hrithik Argentina, on which Hrithik's ex-Hrithik's ex-wife Suzanne on Instagram, Hrithik Roshan each other. Everyone is showering both. Rather, Hrithik's ex-wife 'Beautiful Pic'. Thousands of likes taken through Hrithik. Let us tell Azad reportedly started dating with Hrithik Roshan in his family spotted with Hrithik's family on Azad's work front- Talking about who made his debut with 'Kaho opposite Saif Ali Khan. Together Talking about the upcoming Fighter alongside Deepika actor also has War 2, which also Currently, his 2003 superhit film Koi... Mil Gaya also re-released in theatres. Singer-composer Saba Azad, on the other hand, has featured in films such as Dil Kabaddi and the 2011 film Mujhse Fraaandship Karoge. She was also a part of the Netflix anthology 'Feels Like Ishq'. He was last seen in the web series Rocket Boys 2.

success of 'Kaho Naa... Pyaar Hai'. welcomed their children Rehaan differences, the couple separated in always had a cordial relationship while Sussanne is dating actor Saba Azad. Recently Saba has Roshan celebrating holidays in wife Suzanne's comment has come. commented- In the picture shared and Saba Azad are seen close to their love on the latest picture of also commented and wrote have come so far on this selfie you that Hrithik Roshan and Saba early last year. Saba is often present functions. Not only this, Saba is also vacation. Hrithik Roshan-Saba the work front, Hrithik Roshan, Naa Pyaar Hai', was last seen was seen in the film Vikram-Vedha. movie, he will be seen in the film Padukone and Anil Kapoor. The stars Jr NTR in the lead.

